सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, मंगलवार, 09 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 327, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड भारत माता की जय और वंदे मातरम हमारी संस्कृति... Pg02

Pg12

वही देश महान हुआ, जिसका नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति सदा सजग रहा

पत्रकार के सवाल पर भड़कीं राज्यमंत्री, गरमाई सियासत

गांजा तस्करी में मंत्री प्रतिमा बागरी का सगा भाई अरेस्ट

नशे का नेटवर्कः पांच दिन पहले जीजा शैलेंद्र सिंह को 10 किलो गांजे के साथ बांदा पुलिस ने किया था गिरफ्तार कर भेजा था जेल

» 46 किलो गांजा बरामद, मंत्री की प्रतिक्रिया देख जनता कन्फ्यूज, सोशल मीडिया पर किया ट्रोल।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

खुजराहो (मप्र)। मध्यप्रदेश में इन दिनों एक गांजा तस्करी का मामला न सिर्फ राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है, बल्कि प्रदेशभर की निगाहें इस मामले पर टिकी हुई हैं। मध्यप्रदेश में अपने बयानों के चलते अक्सर सुर्खियों में रहने वाली मंत्री प्रतिमा बागरी एक बार फिर विवादों में है। इस बार मंत्री महोदया मीडिया कर्मी से दुर्व्यवहार के मामले को लेकर सुर्खियों में है। दरअसल मीडिया कर्मी ने जब मंत्री प्रतिमा बागरी से उनके भाई के गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तारी पर सवाल पूछा तो मंत्री महोदया पत्रकार पर भड़क गई और जवाब देने की जगह उलटे खरी-खोटी सुना दी।

पूरा मामला सतना से जुड़ा है जहां पर पुलिस ने मंत्री प्रतिमा बागरी के सगे भाई अनिल बागरी और उसके साथी को 46 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों अनिल बागरी और पंकज सिंह को गिरफ्तार किया है, जबकि तीसरा आरोपी शैलेंद्र उर्फ सोम राजावत पहले ही गांजा तस्करी के एक अन्य मामले में जेल भेजा जा चुका है। कुल 46 किलो 134 ग्राम गांजा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित कीमत नौ लाख से अधिक बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, अनिल बागरी अपने साथी पंकज सिंह के साथ एक कार (एमएच 49 बीबी 9699) से गांजे की खेप ले जा रहा था। इस कार्रवाई के बाद सतना में सियासी हलचल तेज हो गई है।

वहीं पुलिस जांच में सामने आया कि मंत्री प्रतिमा बागरी का भाई अनिल बागरी अपने जीजा शैलेंद्र सिंह के साथ मिलकर गांजा सप्लाई का अवैध धंधा कर रहा था जिसके बाद पुलिस ने मंत्री के भाई को गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। मंत्री के भाई के गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तारी के बाद अब पूरे मामले पर सियासत गर्मा गई है। विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि मंत्री अपने परिवार को राजनीतिक संरक्षण दे रही हैं। एमपी कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मंत्री के रिश्तेदार तस्करी में पकड़े जा रहे हैं और जब मीडिया सवाल पूछता है तो मंत्री भड़क जाती हैं। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपी सरकार में सत्ता से जुड़े लोगों को संरक्षण मिल रहा है और यह गिरफ्तारी उसी काले नेटवर्क की झलक है। मामले के तूल पकड़ने से राजनीतिक माहौल और गर्म हो चुका है। सोशल मीडिया पर भी यह मामला खूब वायरल हो रहा है। लोगा मंत्री जी से पूछ रहे हैं कि यह कैसा परिवारवाद?

मोहन सरकार में मंत्री प्रतिमा बागरी सतना जिले की रैगांव सीट से विधायक हैं और 2023 चुनाव में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार कल्पना वर्मा को हराया था। इससे पहले वे भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री और सतना जिला संगठन मंत्री के रूप में सक्रिय रही थीं।

जबरदस्ती की बात क्यों करते हो तुम लोग?

पूरा मामला खजुराहो का है जहां पर राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी सीएम मोहन की कैबिनेट की बैठक में शामिल होने पहुंची थी। जब मीडिया ने खजुराहो में महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर के बाहर मंत्री प्रतिमा बागरी से उनके भाई अनिल बागरी की गिरफ्तारी पर सवाल पूछा। तो उन्होंने जवाब देने के बजाय पत्रकार को ही सुना दिया। मंत्री ने मीडिया कर्मी से कहा कि जबरदस्ती की बात क्यों करते हो तुम लोग? और बिना कोई जवाब दिए हुए आगे बढ़ गई।

एक परिवार की लिप्त होने से उठे सवाल?

मंत्री के भाई की गिरफ्तारी से पहले उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में मंत्री प्रतिमा बागरी के मंत्री के बहनोई शैलेंद्र सिंह उर्फ सिम्मू को भी उत्तर प्रदेश की बांदा पुलिस ने तीन दिसम्बर को 10 किलो गांजा तस्करी के एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल बांदा जेल में बंद है। उसके पास से 315 बोर का तमंचा, कारतूस, एक कार और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई थी। शैलेंद्र के साथ दीपक, बुद्धविलास, महिपत और अभिलाष को भी पकड़ा गया था। उससे पहले वह सिंघपुर थाना क्षेत्र में नशीली कोरेक्स सिरप के केस में भी पकड़ा गया था। इसके अलावा वो कई बार जेल जा चुका है। ऐसे में एक ही परिवार से लगातार सामने आ रहे मामलों ने सियासी हलकों में हलचल बढ़ा दी है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या मंत्री रहते हुए रिश्तेदारों की निष्पक्ष जांच संभव है, हालांकि मंत्री प्रतिमा बागरी पहले ही जांच में सहयोग देने की बात कह चुकी हैं।

विपक्ष ने लगाए राजनीतिक संरक्षण के आरोप

इन गिरफ्तारियों के बाद विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा है। रैगांव सीट से पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में नशे के नेटवर्क को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है, जिसके कारण अवैध कारोबारी बेखौफ हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दबाव के चलते पहले भी ऐसे मामलों में ढिलाई बरती गई। एक ही परिवार के दो सदस्यों की कुछ ही दिनों के अंतराल में मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तारी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

आईजीआरएस रैंकिंग में घाटमपुर नंबर-1

सदर तहसील ने कराई सबसे ज्यादा किरकिरी

- सदर तहसील की बड़ी गिरावट, 337 प्रकरण लंबित, प्रदेश में 327वीं रैंक पर फिसली
- नर्वल और बिल्हौर भी पिछड़े, डीएम बोले बेहतर सेवाओं के लिए तहसीलवार सुधार योजना मांगी

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

घाटमपुर तहसील ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। शासन द्वारा तय मानकों पर किए गए मूल्यांकन में घाटमपुर को 100 में 100 अंक मिले, जिससे वह जिले में शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर सदर तहसील की स्थिति बेहद खराब रही। उसे केवल 64 अंक मिल सके और 337 संदर्भों के लंबित रहने के कारण उसे प्रदेश में 327वीं रैंक से संतोष करना पड़ा।

कानपुर। आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रीवांस रेडरेसल सिस्टम) रैंकिंग में प्रशासनिक कार्यों की धीमी गति इसकी गिरावट का मुख्य कारण बताई जा रही है।

नर्वल तहसील को 80 अंक के साथ 229वीं रैंक मिली, लेकिन यहां के 88 लंबित प्रकरणों ने कुल प्रदर्शन को प्रभावित किया। इसी तरह बिल्हौर तहसील को 86 अंक पाने के बावजूद लंबित 108 मामलों ने उसे प्रदेश में 194वें स्थान पर पहुंचा दिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस रैंकिंग का उद्देश्य तहसीलों में कार्यकुशलता बढ़ाना और जनता को त्वरित सेवाएं सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली तहसीलों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि कमजोर रैंकिंग वाली तहसीलों से सुधार की विस्तृत कार्ययोजना मांगी गई है।

फरेब | **कागजों में फर्जी मौतें दिखाकर बीमा**

लूटने वाले गैंग का एक और शातिर गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

- दो आरोपी पहले ही जेल जा चुके, अब बीमा एजेंट फैजान खान भी दबोचा
- गैंग का मास्टरमाइंड सिद्दीकी, बोगस डेथ सर्टिफिकेट भी बनवाता था

कानपुर। बीमा पॉलिसियों पर फर्जी मौत दिखाकर लाखों रुपये का क्लेम ठगने वाले गिरोह का तीसरा सदस्य भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कोतवाली पुलिस ने बीमा एजेंट फैजान खान को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था। इससे पहले इसी गिरोह के एमए सिद्दीकी और इश्तियाक को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। दोनों वर्तमान में जमानत पर हैं।

पुलिस के मुताबिक मामला वर्ष 2020 का है, जब एलआईसी सिविल लाइंस शाखा के मुख्य प्रबंधक ने डॉ. एमए सिद्दीकी, चिरादीप सेन गुप्ता, सौरभ गुप्ता और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने फर्जी दस्तावेज और नकली मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कर दो अलग-अलग बीमा पॉलिसियों का क्लेम कर लगभग 25 लाख रुपये हड़प लिए थे।

पहले मामले में बीमा धारक आशा गुप्ता की फर्जी मौत दिखाकर क्लेम का भुगतान नामित चिरादीप सेन गुप्ता के खाते में कराया गया। जांच में पता चला कि नामित के बैंक खाते को एमए सिद्दीकी ने फर्जी पहचान से खुलवाया था। जिसमें फोटो उसकी खुद की लगाई गई थी, ताकि रकम आसानी से निकाली जा सके। दूसरे मामले में गीता गुप्ता नामक महिला की कथित मौत दिखाकर क्लेम सौरभ गुप्ता द्वारा लिया गया, पर जांच में पाया गया कि गीता और सौरभ नाम का कोई व्यक्ति बीमा में दर्शाए गए पते पर कभी नहीं रहा। फर्जी दस्तावेज, फर्जी खाते और फर्जी मौत प्रमाण पत्र तैयार कर बीमा धन हड़पने में एमए सिद्दीकी की प्रमुख भूमिका सामने आई थी। इसी दौरान जांच में फैजान खान और उसकी मां का नाम भी सामने आया था। मां की कैंसर से मृत्यु हो जाने के बाद फैजान फरार चल रहा था। थाना प्रभारी जगदीश पांडेय ने बताया कि सर्विलांस और मुखबिर की मदद से फैजान को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

माया बिल्डर के बाद केडीए में अन्य टेंडरों की होगी जांच

वीसी मदन सिंह गरबायाल ने फर्जी दस्तावेजों पर सीधे कार्रवाई के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। माया बिल्डर फर्म को काली सूची में डाले जाने के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अब अपने सभी हालिया टेंडरों की जांच तेज कर दी है। प्राधिकरण उपाध्यक्ष मदन सिंह ने मुख्य अभियंता आर.आर.पी. सिंह और जोनल अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हाल में आमंत्रित सभी टेंडरों में लगाए गए दस्तावेजों की गहन जांच की जाए।

निर्देशों के अनुसार, यदि किसी भी ठेकेदार द्वारा फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र, नकली एनओसी या अन्य जाली कागजात लगाए जाने की पुष्टि होती है, तो ऐसे टेंडर तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए जाएँगे।गौरतलब है कि माया बिल्डर ने फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र लगाकर जवाहरपुरम और शताब्दीनगर में किफायती आवास परियोजनाओं में अग्निशमन संयंत्र लगाने का करीब 10 करोड़ रुपये का ठेका हासिल किया था। आरोप है कि केडीए के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से न सिर्फ काम कराया गया, बल्कि भुगतान भी जारी कर दिया गया।

शासन के आदेश के बाद केडीए ने माया बिल्डर को अब ब्लैकलिस्ट कर दिया है। साथ ही, अन्य सभी टेंडरों की जांच कर जिम्मेदारों

बिग बॉस 19 का खिताब जीतने वाले गौरव खन्ना जल्द आयेंगे कानपुर

» कानपुर के सूटरगंज स्थित घर में जश्न का माहौल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 19 का खिताब जीतने के बाद एक्टर गौरव खन्ना के कानपुर स्थित सूटरगंज वाले घर में खुशी की लहर दौड़ गई है। जीत की घोषणा होते ही उनके माताङ्कपिता और परिजन बधाइयों से घिर गए। देर रात तक लगातार आ रहे फोन कॉल्स के कारण परिजन ठीक से सो भी नहीं पाए, लेकिन बेटे की जीत की खुशी ने थकान को भी खुशियों में बदल दिया। गौरव के माता-पिता ने बताया कि गौरव जल्द ही कानपुर आएगा, और उसके स्वागत की तैयारियाँ भी शुरू हो गई हैं। परिजनों ने बताया कि घर में उसके लिए ग्रैंड वेलकम की योजना बनाई जा रही है।परिजनों ने गौरव के स्वभाव का जिक्र करते हुए कहा कि बचपन से ही वह अनुशासित, शांत और मिलनसार रहा है। किसी से उलझना या पलटकर जवाब देना उसकी आदत में कभी नहीं रहा। यही व्यवहार उसने बिग बॉस के घर में भी दिखाया, जो उसकी जीत की मजबूत वजह बना।गौरव के संतुलित और सकारात्मक रवैये की बॉलीवुड सुपरस्टार व शो के होस्ट सलमान ख़ान ने भी शो के दौरान कई बार प्रशंसा की थी। परिवार का मानना है कि गौरव ने जैसा अपना वास्तविक व्यक्तित्व दिखाया, दर्शकों ने उसे उसी रूप में पसंद किया और विजेता बनाया।गौरव की जीत से न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरा इलाका गर्व महसूस कर रहा है। जल्द ही उनके कानपुर आगमन पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों और शुभचिंतकों के जुटने की उम्मीद है।

प्रकाश पाल बोले, एसआईआर का मतलब-सिर्फ भारतीय रहेंगे

» भारत बांग्लादेशी-रोहिंग्याओं का नहीं,

» कानपुर देहात जिले में एसआईआर अभियान का निरीक्षण करने पहुंचे बीजेपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने मंगलवार को जिला अध्यक्ष रेणुका सचान के साथ रनिया विधानसभा के अकबरपुर मंडल के बूथ संख्या 160, 161, 162 व पातेपुर तथा भोगनीपुर विधानसभा के पुखरायां मंडल के बूथ संख्या 117 सुनरापुर में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ और सुपरवाइजरों को सम्मानित किया और बूथ कार्यकर्ताओं को कड़ी हिदायत दी कि किसी भी बाहरी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि—भारत देश बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं का नहीं है। एसआईआर का मतलब सिर्फ भारतीय रहेंगे। मतदाता सूची में शुद्धिकरण के साथ-साथ अपात्रों को बाहर करना ही अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने बूथों पर बनाए गए हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया और 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष मुहिम चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मृतकों के नाम सूची में हैं उनका नाम तत्काल काटा जाए।

जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने विभिन्न विधानसभाओं में अब तक हुए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट क्षेत्रीय अध्यक्ष को प्रस्तुत की।

अभियान के दौरान रामजी मिश्रा, शिव विलास मिश्रा, मुकुल पांडे, विनय तिवारी, श्यामू शुक्ला, गीता शंखवार, राजेश कश्यप, कृपा शंकर, शनि गुप्ता, रंजीत यादव, अमित त्रिवेदी, प्रमोद त्रिपाठी, आशीष मिश्रा, विकास मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

28 सेकंड के वायरल वीडियो ने अरौल में उड़ा दिया गर्दा...!

स्थानीय सूत्र बोले, कहानी परत दर परत खुल रही है

स्वराज इंडिया की पड़ताल में सामने आए नए दावे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। सोमवार की दोपहर सोशल मीडिया पर एक 28 सेकंड का वीडियो क्या वायरल हुआ कि उसने बिल्हौर और अरौल की गलियों, चौराहों और बाजारों में गर्दा उड़ा दी। चाय की दुकानों से लेकर कोचिंग सेंटरों तकज्हर जगह एक ही सवाल वीडियो किसका है। कहाँ शूट हुआ। किसने वायरल किया। दावा तो यही किया जा रहा है कि यह वीडियो अरौल के एक स्थानीय कोचिंग संचालक और छात्रा का है। लेकिन आपका अपना स्वराज इंडिया अख़बार इस वायरल वीडियो और दावे की पुष्टि नहीं करता। लेकिन पड़ताल के दौरान कई चौंकाने वाली बातें ज़रूर सामने आईं।

वीडियो की पड़ताल करने के लिए स्वराज इंडिया संवाददाता ने जब अपने सूत्र भिड़ाए तो दिलचस्प खुलासे हुए। अरौल के एक युवक ने नाम न छापने की शर्त पर बेहद रोचक बात बताई। उसके मुताबिक वीडियो में जो लड़का बताया जा रहा है, उसका घर क्षेत्र में स्थित एक मोटर साइकिल एजेंसी के पास है। वह एक मेडिकल स्टोर चलाता है और उसी के ऊपर उसने कमरे बनाए हैं, जहाँ पर वह कोचिंग भी चलाता है। इस दावे

ने कहानी में एक नई परत जोड़ दी है।

अब लोग यह भी पूछ रहे हैं कि क्या वीडियो वहीं शूट हुआ है? किसने ऊपर से कैमरा चलाया? मामला सच है या किसी की साजिश। इस बीच, बाजार, कोचिंग गलियारे और सोशल मीडिया पर पूरा दिन चर्चाएँ गूंजती रहीं। कई लोग इसे शिक्षा व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बता रहे हैं, तो कई इसे सोची-समझी साजिश करार दे रहे हैं।

पुलिस शांत...निगरानी तेज!

पुलिस का कहना है कि अभी कोई शिकायत नहीं मिली है, परंतु वीडियो के वायरल लोकेशन और रिकॉर्डिंग एंगल की जाँच शुरू कर दी है।

वीडियो ने पार कर दीं सारी हदें

28 सेकेंड के वायरल वीडियो में जिस तरह से बंद कमरे के दृश्यों को खुलेआम एक बाथरूम के अंदर अंजाम दिया गया है। उससे समाज की वर्तमान स्थिति पर तमाम सवाल खड़े हो गए हैं। मसलन जो युवक वीडियो में दिख रहा है उसे यदि अपने मान सम्मान की कतई चिंता नहीं थी तो क्या युवती को भी अपनी इज्जत के बारे में नहीं सोचना चाहिए था।

नए रजिस्ट्री कार्यालय की जमीन पर खींचतान

अधिवक्ताओं की तहसील परिसर में भवन निर्माण की मांग

» उपनिबंधक कार्यालय का निर्माण बीबीपुर में करने पर उठी आपत्तियां।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। उपनिबंधक कार्यालय के नये भवन के लिए चयनित भूमि को लेकर बिल्हौर में विरोध के सुर तेज हो गए हैं। प्रशासन द्वारा बीबीपुर गांव में रजिस्ट्री दफ्तर के लिए चिन्हित भूमि पर अधिवक्ता समुदाय ने कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे जनसुविधा के प्रतिकूल बताया है।

बार एसोसिएशन एवं लॉयर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों का कहना है कि रोजाना दस्तावेज पंजीकरण हेतु आने वाले ग्रामीणों और किसानों को बीबीपुर तक पहुंचने में अतिरिक्त दूरी और संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ेगा। पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि बीबीपुर जैसे बाहरी इलाके में कार्यालय का स्थानांतरण आम आदमी के लिए परेशानियाँ बढ़ाने वाला कदम साबित होगा। अधिवक्ता ब्रजेश कटियार, प्रवीण कुमार, सौरभ कटियार तथा राजीव कटियार ने जिलाधिकारी को भेजे पत्र में उल्लेख किया है कि तहसील परिसर में ही पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है, जहाँ उपनिबंधक कार्यालय का नया भवन सुविधापूर्वक स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने पुराने तहसील भवन परिसर को ही उपयुक्त बताते हुए कहा कि सुरक्षा, पहुंच और प्रशासनिक कार्यों की दृष्टि से यही स्थान न्याय संगत है।

अधिवक्ताओं की इस आपत्ति के बाद उपनिबंधक कार्यालय के नए भवन के स्थान को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस विरोध पर क्या निर्णय लेता है।

ओवरलोड वाहनों पर सर्द मौसम में तड़के चला कड़ा अभियान

14 वाहन सीज, 52 चालान, 8.78 लाख जुर्माना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार की भोर बिल्हौर क्षेत्र में ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया। सर्द मौसम और ठिठुरन भरी सुबह के बावजूद प्रशासन, प्रवर्तन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीमें तड़के ही सड़क पर उतर आईं और मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों की सघन चेकिंग शुरू कर दी।

अभियान के दौरान 14 ओवरलोड वाहनों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। वहीं 52 वाहनों के चालान ओवरलोड, अल्टरेशन, फिटनेस फेल, बीमा समाप्त, टैक्स बकाया, प्रेशर हॉर्न और टायर की गहराई कम होने जैसी गंभीर अनियमितताओं पर किए गए। कुल 8,78,500 का जुर्माना लगाया।

कार्रवाई में एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित, एआरटीओ प्रवर्तन, एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह, बिल्हौर कोतवाल अशोक सरोज समेत बिल्हौर व ककवन की पुलिस टीमें शामिल रहीं। अधिकारियों ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुरूप सड़क सुरक्षा को लेकर आगे भी इस तरह की कड़ी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।एसीपी मंजय सिंह ने कहा कि तड़के चलाया गया यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओवरलोडिंग और फिटनेस फेल वाहनों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से लागू रहेगी।

सैंबसू प्रधान के समर्थन में भड़का प्रधान संघ, कार्रवाई रोकने की मांग

» बीडीओ कार्यालय पहुंचकर जताया विरोध।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। सैंबसू ग्राम प्रधान विमलेश कुमार मिश्रा पर हुई कार्रवाई के विरोध में सोमवार को बिल्हौर विकास खंड के प्रधानों का गुस्सा फूट पड़ा। दर्जनों प्रधान अचानक बीडीओ कार्यालय पहुंच गए और खंड विकास अधिकारी नेमचंद को ज्ञापन सौंपते हुए जांच पर गंभीर सवाल खड़े किए। प्रधानों का आरोप था कि जिला स्तर से कराई गई जांच राजनीतिक दबाव में की गई है। उन्होंने कहा कि बिना पक्ष सुने ही प्रधान पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर देना न सिर्फ अलोकतांत्रिक है, बल्कि यह प्रशासन की मनमानी भी दर्शाता है।

प्रधानों का कहना है कि पड़ताल एकतरफा थी और किसी भी स्तर पर निष्पक्षता नहीं बरती गई, जिससे प्रधान समुदाय में भारी रोष व्याप्त है। प्रधानों ने बीडीओ से मांग की है कि विकास खंड के प्रधानों की आपत्ति और भावना को उच्चाधिकारियों तक तत्काल पहुंचाया जाए तथा सैंबसू प्रधान पर की गई कार्रवाई पर पुनर्विचार कर उसे रोका जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई न केवल प्रधानों की मर्यादा और अधिकारों को ठेस पहुंचाती है, बल्कि नेतृत्व का मनोबल भी तोड़ती है। बीडीओ नेमचंद ने आश्वस्त किया कि प्रधानों का ज्ञापन संबंधित अधिकारियों को भेजा जाएगा और मामले पर समुचित विचार किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रधान संघ अध्यक्ष अजीत सिंह राजावत, राजकुमार भदौरिया, धीरेंद्र सिंह, विपिन कुमार, जैनेंद्र कुमार, राम प्रकाश, मुकेश, वीरेंद्र कटियार, सरिता कटियार, वंदना, रामेंद्र कटियार सहित अनेक प्रधान मौजूद रहे। प्रधानों ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई पर पुनर्विचार न हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

क्या था पूरा मामला?

सैंबसू ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत कई विकास कार्य चकरोड, नाला निर्माण, इंटरलॉकिंग आदि कागजों पर दिखाकर लाखों रुपये का फर्जी भुगतान किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि मस्टररोल में मजदूरों की हाजिरी फर्जी भरी गई, जबकि ज्यादातर काम जमीन पर हुए ही नहीं। ग्राम प्रधान, सचिवों, तकनीकी सहायकों और लेखा कर्मियों ने मिलकर संगठित तरीके से यह खेल किया। और कई लाख रुपये का घोटाला सामने आया। ग्रामीणों की शिकायत पर लोकपाल जांच हुई और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो गया। 15 दोषियों पर वसूली, विभागीय कार्रवाई की गई थी।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

राष्ट्रीय एकता जगाने का गान बने

यह सुखद ही है कि कृतज्ञ राष्ट्र देश के स्वतंत्रता सेनानियों में ओज का संचरण करने वाले गीत वंदे मातरम के सृजन के डेढ़ सौ साल पूरे होने को एक उत्सव की तरह मना रहा है। स्वतंत्रता के लिये संघर्षरत करोड़ों भारतीयों में इस गीत ने आजादी का जज्बा भरा था। लाखों स्वतंत्रता सेनानी इस गीत से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में सर्वस्व अर्पित करने को तत्पर हो जाते थे। इस पावन वेला में देश के विभिन्न भागों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सही मायनों में यह अवसर राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी है। इस गीत की सर्वस्वीकार्यता का आलम ये था कि भारत आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान की दृष्टि से देखा था। इसी आलोक में वंदे मातरम के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर लोकसभा में इस पर चर्चा का शुरू होना सुखद ही है। संसद में प्रधानमंत्री ने कहा भी कि जब इस गीत के सृजन के पचास साल पूरे हुए तो देश परतंत्र था। जब इसके सौ साल पूरे हुए तो देश आपातकाल के दौर से गुजर रहा था, फलतः उस दौर में इस गीत को जनता व स्वतंत्रता सेनानियों का सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। निस्संदेह,बंकिम चंद्र चटर्जी की इस रचना ने बंगाल में क्रांतिकारियों को गहरे तक प्रेरित किया और स्वतंत्रता संग्राम को गति देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। हालांकि, विपक्ष इसे सुर्खियों में लाने के फैसले के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहा है। वे इसके समय को लेकर प्रश्न उठा रहे हैं। अविभाजित बंगाल की पृष्ठभूमि में जन्मे इस ओज के गीत को बंगाली समाज ने अपनी अस्मिता से जोड़कर देखा। खासकर बंगाल विभाजन के बाद इसे बंगाल की अस्मिता पर फिरंगियों के प्रहार के दौर में एक मरहम के तौर पर देखा। निस्संदेह, देश ऐसे स्मरण उत्सव का हकदार है, मगर वे चुनावी नजरियों से मुक्त हों। विपक्ष की दलील है कि जब पश्चिम बंगाल एक महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है तो इस गीत के प्रसंगवश राजनीतिक लाभ-हानि के तर्क गढ़े जा रहे हैं। संसद में प्रधानमंत्री के संबोधन में वंदे मातरम को एकता के सूत्रधार के रूप में सराहा गया। लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों पर भी चर्चा हुई। दरअसल, उन्होंने जब भी कांग्रेस की आजादी से पहले और बाद की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया या फिर ऐतिहासिक विवादों का नये सिरे से जिक्र किया, तो विपक्ष ने उसे निशाने पर लिया। विपक्षी दलील है कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान करने की कवायद में वैचारिक विभाजन को हवा दी जा रही है। कहा गया कि पश्चिम बंगाल, जहां इस गीत का जन्म हुआ, वहां की सांस्कृतिक पहचान राजनीति से जुड़ी रही है। वंदे मातरम एक भावनात्मक प्रतीक है और इसीलिए एक रणनीतिक प्रतीक भी। दरअसल, विपक्ष की नाराजगी राजग सरकार की उस प्रवृत्ति को लेकर है जिसमें वह सांस्कृतिक प्रतीकों को राजनीतिक अखाड़े में बदल रही है। उन्हें आशंका है कि साझी विरासत पर चिंतन के लिये आयोजित विमर्श का उपयोग चुनावी लाभ अर्जित करने के लिये किए जाने का खतरा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अपनी जड़ें जमाए हुए है, फिर भी उसे सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है।

एकता सुनिश्चित करती सेना की नैतिकता

जयंती लाल भंडारी

हाल ही में पूजास्थल में जाने से इनकार करने वाले अधिकारी को सेवा मुक्त किए जाने का निर्णय बरकरार रखना ऐसे मामलों में भविष्य की दिशा तय करने वाला है। विवाद किसी अनुष्ठान को लेकर नहीं , बल्कि सम्बद्धता, कर्तव्य...हाल ही में पूजास्थल में जाने से इनकार करने वाले अधिकारी को सेवा मुक्त किए जाने का निर्णय बरकरार रखना ऐसे मामलों में भविष्य की दिशा तय करने वाला है। विवाद किसी अनुष्ठान को लेकर नहीं , बल्कि सम्बद्धता, कर्तव्य और एक विविधतापूर्ण सेना की संवैधानिक संरचना के बारे में है। यूं भी सेना अपने सैनिकों के लिए आस्था का चयन नहीं करती; यह यकीनी बनाती है कि आस्था एकता में बाधक न बने।

कई बार ऐसे क्षण होते हैं जब अदालत का निर्णय किसी विवाद को निबटाने से अधिक बन जाता है; यह दिशा तय करता है। अपने सैनिकों के साथ रेजिमेंटल पूजास्थल के भीतर जाने से इनकार करने वाले एक अधिकारी को सेवा मुक्त किए जाने के निर्णय को बरकरार रखने वाला सर्वोच्च न्यायालय का फैसला ऐसा ही एक क्षण है। यह उस सच्चाई की पुष्टि करता है जो सैनिक सदा जीता है व जिसे लोकतंत्रों को निरंतर मजबूत करना चाहिए - एक गणराज्य अपने संस्थानों के बूते खड़ा होता है और संस्थान अपना प्रण ईमानदारी से निभाने पर खड़े होते हैं। सार्वजनिक बहस में, और कुछ टिप्पणियों में, इस मामले को लंबे समय से चली आ रही सैन्य प्रथाओं पर फिर से विचार करने के अवसर के रूप में लेना, इसको गलत अर्थ देना होगा। यह व्याख्या केंद्रीय बिंदु से चूक जाती है। मामला यहां किसी अनुष्ठान पर विवाद को लेकर नहीं है, बल्कि सम्बद्धता, कर्तव्य और एक विविधतापूर्ण सेना की संवैधानिक संरचना के बारे में है। यह विवाद एक रेजिमेंट में उत्पन्न हुआ, जहां एक मंदिर और गुरुद्वारा साथ-साथ हैं और लंबे समय से एक एकीकृत सर्व धर्म स्थान के रूप में सुचारू हैं। अधिकारी ने यह कहकर अंदर जाने से इनकार कर दिया कि उसकी धार्मिक मान्यता उस पूजा स्थल के गर्भगृह में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देती। समूची सेना में, ऐसे स्थानों को मान्यता की दरकार नहीं है; बल्कि वे तो सह-अस्तित्व को पुष्ट करते हैं। उनका मंतव्य केवल इतना कि विविधता के बीच, सम्बद्धता में दरार न आने पाए। परामर्श-सत्र और एक पादरी द्वारा यह आश्वस्त किए जाने के बाद भी कि पूजा स्थल पर प्रवेश करना उसके धर्म से समझौता नहीं है, वह अधिकारी अपने रुख पर अडिग रहा।विविधता में एकता का मतलब कभी भी इकाइयों के अंदर रार पैदा करना या किसी आदेश के मनमाफिक मायनों को प्रस्तुत करना नहीं रहा। सेना ने एकता का अर्थ कभी भी संख्या, अनुपात या निर्धारित संरचनाओं के रूप में नहीं लिया। जो कोई भी एक साथ खड़ा है, जहां कहीं से भी वो आता है और जिस भी अनुपात में दिखाई देता है, वह भी एकता है, क्योंकि सामंजस्य कोई गणित नहीं; यह अनुभूत अनुभव है। कि यह मामला वर्गीय संरचनाओं अथवा रेजिमेंटल प्रथाओं पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करे, पूरी तरह बिंदु से चूक जाता है। सेना के अंदर की एकता बाहरी रूपरेखा से निर्मित नहीं है; यह साझे कर्तव्य, साझे खतरे और उस शपथ से कायम रहती है, जो प्रत्येक सैनिक को दूसरे से जोड़कर रखती है। एक घटना, चाहे वो कैसी भी दिखाई दे, उसका उपयोग एक संस्थागत संरचना को फिर से खोलने या पुनः व्याख्या करने के लिए नहीं किया जा सकता। कर्तव्य निर्वहन से इंकार को समझना चाहिए, न कि पुनः रूपरेखा के लिए, और जो भी इस नैतिकता विशेष की पुनः व्याख्या में लगते दिखाई दे रहे हैं, निश्चित ही वे इसके वर्ण, वर्णमाला और व्याकरण से अनभिज्ञ हैं। सेना की प्रथाएं युद्ध की वास्तविकताओं, सामंजस्य की दरकार और विविधतापूर्ण इकाइयों द्वारा एकीकृत होकर लड़ने वाले अनुभूत अनुभव से ढाली गई हैं।

कामकाजी संस्कृति को मानवीय बनाने की पहल

द राइट टू डिस्कनेक्ट बिल

ज्वाला सिंह दास

सुप्रिया सुले का यह विधेयक अगर स्थायी समिति को भेजा जाता है तो उसके पास मौका होगा कि वह भारत के कामकाजी संस्कृति को वाकई मानवीय बनाए। यह नींद, परिवार, स्वास्थ्य और सम्मान की बात है।लोकसभा के शीतकालीन सत्र में बारामती की सांसद सुप्रिया सुले ने 'द राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025' पेश किया। पहली बार कोई विधेयक उनके अपने 24म7 बजते फोन को चुप कराने की बात कर रहा था। यह निजी सदस्य विधेयक कर्मचारियों, अधिकारियों और विधायकों-सांसदों को कार्य-समय के बाहर फोन कॉल, ई-मेल या किसी भी काम से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक संचार का जवाब देने से कानूनी रूप से पूरी तरह मुक्त करता है।

यह प्रस्ताव करोड़ों थके-हारे कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की चैन की नींद के लिए आवाज़ है। विधेयक के प्रमुख प्रावधानों में उल्लेख है कि कार्य-समय के बाद अवकाश के दौरान नियोक्ता कर्मचारी से काम का संचार करने का दबाव नहीं डाल सकेगा। उल्लंघन पर संगठन के कुल वार्षिक वेतन बिल का एक प्रतिशत तक जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है। एक नई 'एम्प्लॉयी वेलफेयर अथॉरिटी' प्रावधान होगा, जो डिस्कनेक्ट पॉलिसी लागू करवाएगी, डिजिटल डिटॉक्स सेंटर चलाएगी और काउंसलिंग मुहैया कराएगी। हर कंपनी को साल में कम से कम एक बार अपनी डिस्कनेक्ट पॉलिसी की समीक्षा करनी होगी। साथ ही, कर्मचारी यूनियन या प्रतिनिधियों से लिखित सहमति लेनी होगी।

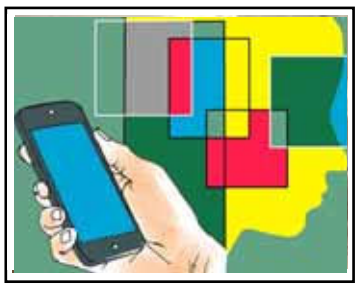

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2024 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय औसतन 2,277 घंटे सालाना काम करते हैं—जापान से 600 घंटे और जर्मनी से 900 घंटे अधिक। नैसकॉम के सर्वे में 62 प्रतिशत आईटी कर्मचारियों ने माना कि उन्हें रात दस बजे के बाद भी काम के मैसेज आते हैं। सीईडीए-सीएमआईई के आंकड़े बताते हैं कि बर्नआउट की वजह से हर साल 46 प्रतिशत युवा कर्मचारी नौकरी छोड़ रहे हैं। एक आरटीआई जवाब में खुलासा हुआ कि 2020-2024 के बीच केंद्रीय सचिवालय के अठारह कर्मचारियों ने अत्यधिक कार्य-दबाव के कारण आत्महत्या की।

सांसदों-विधायकों की स्थिति भी दयनीय है। एक सांसद के फोन में औसतन 300-400 वॉट्सएप ग्रुप होते हैं। रात दो बजे भी कोई मरीज अस्पताल में भर्ती कराने की गुहार लगा दे तो जवाब देना 'राजनीतिक मजबूरी' बन जाता है। सुप्रिया सुले ने स्वयं स्वीकार किया कि वे रात में फोन साइलेंट नहीं कर पातीं। सुप्रिया सुले का यह दूसरा प्रयास है। वर्ष 2019 में भी उन्होंने विधेयक पेश किया था, लेकिन आगे नहीं बढ़ सका। वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार ने चार नए श्रम संहिता लागू किए, लेकिन उनमें 'राइट टू डिस्कनेक्ट' का कोई उल्लेख नहीं है। उल्टे ओवरटाइम की सीमा बढ़ा दी गई। इसी सत्र में शशि थरूर, मनीष तिवारी और कनिमोझी ने भी काम के घंटे और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विधेयक पेश किए हैं।

वर्ष 2024 में केरल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए 'शाम छह बजे के बाद नो वॉट्सएप' का सर्कुलर जारी किया था, पर अफसरों के विरोध के कारण उसे वापस लेना पड़ा। तेलंगाना और कर्नाटक के आईटी हब और कुछ स्टार्टअप्स ने स्वेच्छा से 'इवनिंग डिस्कनेक्ट पॉलिसी' शुरू की है। भारत की 92 प्रतिशत श्रमशक्ति असंगठित क्षेत्र और छोटे-मध्यम उद्योगों में है, वहां न्यूनतम मज़दूरी भी मुश्किल से मिलती है। यहां तो डिस्कनेक्ट का सवाल ही नहीं उठता।

फ्रांस ने वर्ष 2017 में सबसे सख्त कानून बनाया और 50 से अधिक कर्मचारियों वाली हर कंपनी को डिस्कनेक्ट पॉलिसी अनिवार्य की। बेल्जियम, स्पेन, पुर्तगाल, इटली, आयरलैंड और हाल ही में ऑस्ट्रेलिया (2024) ने भी इसे कानूनी अधिकार बना दिया।

भारत माता की जय और वंदे मातरम हमारी संस्कृतिः स्वतंत्र देव

» कानपुर आए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने की बैठक, बोले अखिलेश यादव एसआईआर पर कर रहे दुष्प्रचार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को नवीन मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय में एसआईआर अभियान के बाबत मीटिंग में अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष सिर्फ दुष्प्रचार कर रहा है, जबकि भाजपा कार्यकर्ता उन्हीं वास्तविक मतदाताओं के नाम जोड़वा रहे हैं जिनके नाम किसी कारण सूची से कट गए थे।

फर्जी आधार या फर्जी वोट बनवाने वालों के नाम हटाए जा रहे हैं।बीएलओ आत्महत्या मामले पर बोले ऐसी घटनाओं से इनकार नहीं, पर सैकड़ों बीएलओ 100 प्रतिशत ईमानदारी से काम कर रहे हैं। किसी भी धर्म के मतदाता का नाम कटाने की कोशिश नहीं, टीम भावना से अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आने के बाद अपने मूल मंत्र पर काम करती है' पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक मान-सम्मान, भरपेट भोजन और रहने को छत'। यही सरकार का लक्ष्य है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की विचारधारा याद करते हुए बोले राष्ट्रवाद भाजपा का मूल एजेंडा है। भारत माता की जय और वंदे मातरम हमारी संस्कृति है। कांग्रेस ने बाबा साहेब का अपमान किया, हमने उनके नाम से तीर्थ स्थल बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हमेशा राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी। की। मंत्री ने कहा कि बस्तियों में लोग दो-दो दिन की छुट्टी लेकर अपने वोट सुरक्षित करने के लिए फॉर्म भरवा रहे हैं। कौन किसे वोट देता है, इससे फर्क नहीं, हर मतदाता का सम्मान भाजपा करती है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित के अलावा अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पैगम्बर साहब के बताए रास्ते पर करें अमल, फिजूल खर्ची रोककर निकाह को बनाएं आसान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दिखावे के लिए तमाम लोग कर्ज लेकर फिजूल खर्ची करके शादी ब्याह धूमधाम से करते हैं। कुछ टाइम बीत जाने के बाद कर्ज की अदायगी के लिए ऐसे लोगों के हाथ तंग हो जाते क्योंकि कमाई इतनी होती नहीं जितना समारोह में खर्च कर दिया। ऐसे में बीवी से तनाव और तलाक तक की नौबत आ जाती है। इसलिए अल्लाह के रसूल पैगम्बर मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर अमल करें। फिजूल खर्ची रोकें और निकाह को आसान बनाएं।मदरसा अशरफुल मदारिस गद्दियाना में आल इंडिया गरीब नवाज कौंसिल द्वारा जश्ने गरीब नवाज मनाया गया जिसमें ये बात गद्दियाना ईदगाह के पेशइमाम एवं कौंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना हाशिम अशरफी ने कही। मौलाना ने कहा कि वायु प्रदूषण बढ़ने की वजह से लाखों लोगों की जान को खतरा पैदा हो गया है।

जानवरों की जिंदगी भी इससे प्रभावित हो रही है। पानी और हवा जहरीली हो गयी है ऐसे में सांस लेना दूभर हो रहा है, तमाम लोग फेफड़ों की बीमारी, खांसी, घुटन, सांस फूलना, दमा,आंखों में जलन, हृदय की बीमारियां, सीने में संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। सर्दी में टायर, प्लास्टिक, बिजली के तार, कूड़ा जलाने से बचें।

इस अवसर पर हाजी सैयद खुर्शीद आलम, जमील खैराबादी, हाजी वसीम खान, हाफिज अब्दुर्रहीम बहराइची, मुफ्ती कासिम मिस्बाही, अब्दुल करीम,शहजाद अहमद, मास्टर शहाबुद्दीन, दिलशाद कानपुरी, मौलाना जाहिर अहमद, हाफिज बहारुद्दीन अशरफी मोहम्मद वासिफ अशरफी, हाजी अरबी हसन,ताजुद्दीन, सुब्बा अली, वासिफ अशरफी आदि थे।

19 दिसंबर से गरीब नवाज हफ्ता मनाया जाएगा

गद्दियाना ईदगाह के पेशइमाम मौलाना हाशिम अशरफी ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी गरीब नवाज हफ्ता 19 दिसंबर से मनाया जाएगा जिसमें शहर के विभिन्न स्थानों पर प्रोग्राम होंगे जिसमें जश्ने गरीब नवाज नाम से जलसे होंगे।

कानपुर की गलियों से तेलुगु सिनेमा तक नायरा पाल का सफ़र

संघर्ष, संकल्प और सफलता की कहानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।यूपी के मैनचेस्टर कानपुर की गलियों से निकलकर छोटे मंचों पर नाचने-गाने वाली साधारण-सी दिखने वाली नायरा पाल आज तेलुगु फ़िल्म जगत में अपनी बड़ी शुरुआत करने जा रही हैं। हरनाथ पोसलचेरला की आगामी फ़िल्म 'ना तेलुगोडू' में वे ज़रीना वहाब की बेटी का किरदार निभा रही हैं। फ़िल्म 12 दिसंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज़ होगी। बारह वर्षों के संघर्ष के बाद मिला यह मौका उनके सपनों के सच होने जैसा है।नायरा की कहानी उतनी ही सादी है, जितनी प्रेरक।

कानपुर में जहां बाकी बच्चे किताबों में खोए रहते थे, वहीं वे स्कूल के बाद चोरी-चुपके डांस क्लास पहुँच जाती थीं। डांस ने उन्हें उड़ान दी, और थिएटर ने दिशा। लखनऊ के थिएटर ग्रुप में शामिल होकर उन्होंने फ़र्श पर रातें गुज़ारीं, सड़क नाटकों में हिस्सा लिया और मंच से जुड़े हर काम को अपनाया।

वाराणसी ने उन्हें अभिनय की असली कसौटियों से गुज़ारा—बिना किसी सहारे, बिना शॉर्टकट के। फिर मुंबई ने उन्हें मॉडलिंग, विज्ञापन और म्यूज़िक वीडियो का रास्ता दिखाया।

मुंबई 2023 का खिताब जीतकर वे एक पहचान बना चुकी थीं, लेकिन अंदर की शांत आग उन्हें और आगे ले जाने के लिए पर्याप्त थी।

इसी बीच जब 'ना तेलुगोडू' के लिए कॉल आया, नायरा ने न कोई शोर मचाया, न सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट—बस बैग उठाकर हैदराबाद पहुँच गईं। सेट पर उनकी दो आदतें सबका ध्यान खींचने लगीं—समय से पहले पहुँचना और कभी शिकायत न करना।

खुद दिग्गज अभिनेत्री ज़रीना वहाब ने कहा—इस लड़की में वही भूख है, जो मेरे शुरुआती दिनों में थी।

फ़िल्म 'ना तेलुगोडू' कोई चकाचौंध भरी डेब्यू फ़िल्म नहीं, बल्कि जड़ों से जुड़ी एक गहरी कहानी है। नायरा का किरदार भी उतना ही मजबूत और संवेदनशील है। कानपुर की बस्ती में बैठकर टीवी पर श्रीदेवी और माधुरी दीक्षित को देखकर सपने बुनने वाली यह लड़की आज उन्हीं सपनों की रोशनी में खड़ी है—ज़रीना वहाब जैसी दिग्गज कलाकार के साथ स्क्रीन साझा करते हुए।

आज भी नायरा हर हफ्ते अपने कानपुर वाले डांस टीचर से बात करती हैं, घर पैसे भेजती हैं, और जब कहीं उन्हें 'निधि पाल' लिखा मिलता है तो मुस्कुराकर सिर्फ इतना कहती हैं—

नाम नायरा है।

बारह साल लंबा इंतज़ार किसी को तोड़ भी सकता था, लेकिन नायरा रुकीं नहीं, लड़ती रहीं।

12 दिसंबर को बड़े पर्दे पर जब वे दिखाई देंगी, तो देश समझेगा कि यह शांत-सी लड़की क्यों डटी रही—क्योंकि वह सिर्फ मौका लेने नहीं, अपनी जगह बनाने आई हैं।

धीरे, सहज, लेकिन पूरे दमखम के साथ।

कानपुर देहात : ग्राम प्रधान ने 'लूट' ली ग्राम सभा की विकास निधि

अपने और नाते रिश्तेदारों के बैंक खाते में धनराशि ट्रांसफर करा कर लाखों रूप्यों का लगाया चूना

» खडंजा, नाली निर्माण, हैंडपंप मरम्मत सहित कई अन्य मदों पर खर्च दिखाकर किया गया सरकारी धन का हुआ बंदरबांट

» अकबरपुर ब्लाक के हसनापुर ग्राम पंचायत के कई बिल बाउचर सोशल मीडिया पर वायरल

ग्राम प्रधान के निजी खाते में हुआ सरकारी भुगतान

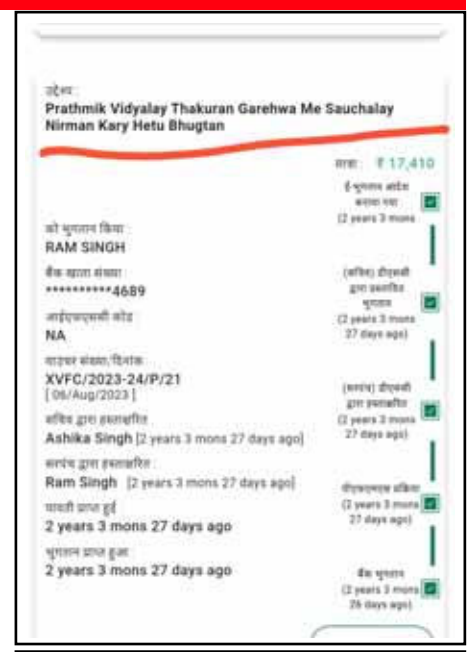

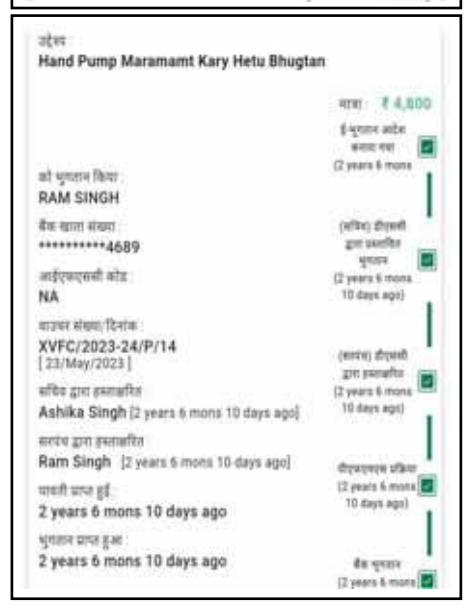

क्या बोले अकबरपुर ब्लॉक के एडीओ पंचायत.....

एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला ने बताया है इस संबंध में जानकारी नहीं है जानकारी आपके द्वारा हुई है जांच कराई जायेगी। लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।पंचायत चुनाव की सरगर्मियां ग्रामीण इलाकों में चढ चुकी हैं। वर्तमान ग्राम प्रधानों के क्रियाकलापों की कलई खुलने लगी है। बीते दिनों मलासा ब्लाक के गिरदौं ग्राम पंचायत में सरकारी धन ग्राम प्रधान और उसके भाई नाते रिश्तेदारों के बैंक खातों में भेजने का मामला चर्चा में रहा था, मामले में डीएम ने जांच कमेटी बना दी है।

अब नया मामला अकबरपुर ब्लाक के हसनापुर ग्राम पंचायत का सामने आया है। इसमें ग्राम प्रधान राम सिंह यादव ने सरकारी निधि अपने निजी खाते में ट्रांसफर कराकर लाखों रूप्यों का गोलमाल किया है।सोशल मीडिया पर गांव के एक जागरूक व्यक्ति के द्वारा ग्राम पंचायत हसनापुर के कई बिल बाउचरों के भुगतान के स्क्रीन शॉट वायरल किए हैं। इनमें गंभीर आरोप ग्राम प्रधान राम सिंह यादव पर लग रहे हैं। वर्ष 2023-2024 में 1 जून 2023 को ग्राम प्रधान के खाते में 21 हजार 5 सौ का भुगतान साफ सफाई के लिए दिखाया गया है। 6 अगस्त 2023 को प्राथमिक विद्यालय ठकुरनगढेवा में शौचालय निर्माण के लिए 17 हजार 410 का भुगतान किया गया है। 31 दिसबंर 2022 को जगद सिंह के घर से मेवालाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य में 29 हजार 930 रूप्ए का भुगतान ग्राम प्रधान के खाते में किया गया है। 6 अगस्त 2023 को हैंडपंप मरम्मत के नाम पर 5400 का भुगतान लिया गया है। इस तरह से कई अन्य भुगतान हैं जिनको नाते रिश्तेदारों के खाते में डलवाकर हडपा गया है।नाम न छापने की शर्त पर कुछ ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम प्रधान राम सिंह यादव ने गांव के विकास के लिए आई धनराशि अपने विकास के लिए ज्यादा खर्च की है। इसकी जांच कर धनराशि वसूली के साथ कडी कार्रवाई की जाए।वहीं, ग्राम प्रधान राम सिंह यादव के मोबाइल नंबर पर कॉल करके पक्ष जानने का प्रयास किया तो उनके लड़के ने फोन रिसीव किया, कहा कि जानबूझ कर शिकायतें की जा रही हैं।

मैं चोर नहीं हूं मेरी कोई सुनने वाला नहीं है, लिखकर खा लिया जहर

प्रशासन भी मेरी बात नहीं सुन रहा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यह दर्द भरी पंक्तियाँ लिखकर एक महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। महिला को गंभीर हालत में हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना बिल्हौर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, महिला दीपिका तिवारी कानपुर देहात में अपने रिश्तेदारों की शादी में गई थी। वहीं उस पर जेवर चोरी का आरोप लगा दिया गया। महिला का आरोप है कि कानपुर देहात पुलिस लगातार उसे प्रताड़ित कर रही थी, जबकि वह निर्दोष है।

मानसिक रूप से टूट चुकी महिला ने एक सुसाइड नोट लिखकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे तत्काल हैलट हॉस्पिटल लेकर पहुँचे, जहाँ उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

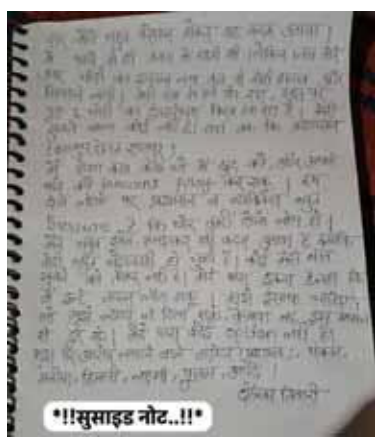

कानपुर देहात : एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

श्री परशुराम भार्गव सेवा समिति और विद्यालय परिवार के तत्वाधान में निकाली गई रैली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर इंटर कॉलेज से परशुराम भार्गव सेवा समिति के तत्वावधान में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। इंटर कॉलेज के लगभग 4000 छात्र- छात्राओं की उपस्थिति ने इस रैली को जिले की बड़ी जागरूकता रैली बना दिया रैली की शुरुआत समिति के अध्यक्ष ब्रह्म दत्त द्विवेदी और विद्यालय के प्रधानाध्यापक भारत सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। जैसे ही रैली आगे बढ़ी, उत्साह से भरे छात्र-छात्राओं के नारों ने पूरे वातावरण को जागरूकता के संदेशों से भर दिया। विद्यालय परिवार, अध्यापकगण तथा कस्बे के अनेक गणमान्य लोग भी रैली में शामिल हुए और स्द्धक्र प्रक्रिया के महत्व को लोगों तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। रैली अकबरपुर कस्बे की मुख्य गलियों से होती हुई विभिन्न मार्गों से गुजरी, जहाँ स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक स्वागत किया। रैली में छात्रों ने पोस्टर, बैनर और स्लोगन के माध्यम से बताया कि एसआईआर प्रक्रिया समाज के विकास, सुरक्षा और सुधार के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। परशुराम भार्गव सेवा समिति के अध्यक्ष ब्रह्म दत्त द्विवेदी ने कहा कि जागरूक समाज ही मजबूत समाज की पहचान है। वहीं प्रधानाध्यापक भारत सिंह ने छात्रों की अनुशासन और सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की यह पहल निश्चित रूप से सकारात्मक बदलाव लाएगी।

उधारी के पैसे वापस मांगने पर मारपीट, छेड़छाड़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बा के मालवीय नगर निवासी महिला ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुये बताया कि उसकी मां ने बैंक से ऋण लिया था। इसी दौरान पडोस रहने वाले बब्लू पुत्र मैय्यादीन उसके घर आया और कहा कि उसको पुत्री की शादी करना है। जिसके चलते उसे पैसे उधार दे दो।

तभी बब्लू को मां के द्वारा 5 लाख रुपये दे दिये गये। जिसके बाद उसकी मां ने उनसे पैसे मांगे तो उक्त लोग पैसे देने से मना करने लगे और गाली गलौज करने लगे। बीती रविवार को बब्लू उसकी पत्नी राजकुमारी, पुत्र शिवम उसके घर आये और गाली गलौज करते हुये मारपीट करने लगे। शिवम के द्वारा उसके साथ छेड़छाड़ की गई। चौकी इंचार्ज पुखरायां अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि जांचकर उचित कार्यवाही की जायेगी।

तमंचा-कारतूस सहित एक गिरफ्तार

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक के पास से एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद करते हुये उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज करते हुये उसे जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार भोगनीपुर कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि वह उपनिरीक्षक अतेंद्र कुमार के साथ थे। गश्त के दौरान वह कोतवाली क्षेत्र के नोनापुर गांव के समीप पहुंचे ही थे कि तभी सामने से एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। शक होने पर उसे रोक कर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक 315 बोर का तमंचा व एक कारतूस बरामद हुआ। पकड़े गये युवक ने अपना नाम रिषभ पुत्र दयाशंकर निवासी मूसानगर बताया।

एसआईआर के लिए चला जागरुकता अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती । गजनेर मंडल के सनाया खेड़ा सेक्टर में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत आसपास के सभी गांवों में जागरुकता अभियान चलाया गया. जिसमें ग्रामीणों के साथ प्रशासनिक अफसरों ने सनाया खेड़ा, सनाया खेड़ा द्वितीय, अनन्तरामपुर और विजयईपुर के गांवों में लोगों को एसआईआर के बाबत जानकारी दी। इस दौरान फार्म भी दिए गए।

टीम ने घर-घर जाकर मतदाताओं से निवेदन किया कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ पुनरीक्षण कार्य में पूर्ण सहयोग दें, जिससे क्षेत्र के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक सूची में सुनिश्चित रूप से शामिल किया जा सके। कहा गया कि जल्द एसआईआर का काम शत-प्रतिशत पूरा कर लिया जाएगा, जिसके लिए सूक्ष्म रणनीति और ठोस कार्ययोजना तैयार कर ली गई। इस दौरान व क्षेत्रीय लोगों के साथ समाजसेवी सत्यम सिंह चौहान मौजूद रहे।

सचेंडी पुलिस ने शातिर को दबोचा, चोरी की 9 बाइक-स्कूटी बरामद

कानपुर नगर-देहात के 12 से अधिक चोरी मुकदमों से जुड़ी बाइकें बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान सचेंडी पुलिस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है, जिसकी निशानदेही पर चोरी की 8 मोटरसाइकिल और 1 स्कूटी, कुल 9 वाहन बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान 27 वर्षीय श्रीराम गौतम, निवासी मैसोर, थाना सचेंडी, के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने फरार साथी के साथ मिलकर शहर और देहात के विभिन्न इलाकों से बाइक चोरी करता था। चोरी के बाद वाहन को किसी सुनसान जगह ले जाकर उसके पुर्जे अलग कर कबाडियों को बेच दिया जाता था।बरामदगी में हीरो पैशन प्रो, होंडा सीडी डीलक्स, हीरो स्प्लेंडर और स्कूटी एक्टिवा शामिल हैं। सभी वाहन कानपुर नगर और कानपुर देहात के अलग-अलग थानों में दर्ज 12 से अधिक चोरी और अन्य गंभीर मुकदमों से जुड़े पाए गए। इनमें 379/411, 380/411 जैसी चोरी की धाराएँ और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि उसके फरार साथी की तलाश जारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

जालौन: इंस्पेक्टर केस में महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा निलंबित

» तीन दिन में 109 बार बातचीत, वीडियो कॉल भी करती थी महिला सिपाही

» नौ थाना प्रभारियों से संबंध होने के दावे, कई ने दिए महंगे तोहफ़े

» 2019 बैच की सिपाही है, मेरठ की रहने वाली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया अपना प्रदेश 10

जालौन: इंस्पेक्टर-महिला सिपाही संबंध विवाद में नया खुलासा

गर्ल फ्रेंड की धमकी और दबाव में फंसे एसएचओ की संदिग्ध मौत पर कई कहानियां आईं सामने

उरई (जालौन)। कुठौंद थाना प्रभारी अरुण कुमार राय की संदिग्ध मौत प्रकरण में हर गुजरते दिन के साथ नए खुलासे होते जा रहे हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा की भूमिका और भी गंभीर होती दिखाई दे रही है। विभाग ने उसे निलंबित कर दिया है, जबकि पुलिस उसे पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना से पहले मात्र तीन दिनों में 109 बार फोन पर बातचीत हुई थी। इसके अलावा महिला सिपाही अक्सर वीडियो कॉल के जरिये भी थाना प्रभारी से बात करती थी। यह कॉल विवरण अब जांच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बनते जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार महिला सिपाही के कम से कम नौ थाना प्रभारियों से संबंध होने का दावा किया जा रहा है। कई अधिकारियों द्वारा उसे सोने के आभूषण, महंगे मोबाइल फ़ोन और अन्य कीमती सामान दिए जाने की भी चर्चा है।जांच टीम इन दावों की पुष्टि के लिए मोबाइल विवरण, धन लेन-देन और निजी संदेहास्पद बातचीत की गहन पड़ताल कर रही है।

ट्रेनिंग से अब तक 11 बार मोबाइल नंबर बदला

सामने आया है कि महिला सिपाही ने ट्रेनिंग से लेकर अब तक 11 बार मोबाइल नम्बर बदला है। इस तथ्य ने जांच को और संदिग्ध बना दिया है। कॉल विवरण छिपाने और संपर्कों को अस्पष्ट रखने की वजहों को लेकर भी पुलिस सतर्क है।मीनाक्षी शर्मा 2019 बैच की सिपाही है और मूल रूप से मेरठ की रहने वाली बताई जाती है। उसकी तैनाती कोंच थाने में थी, जबकि वह कई दिनों से बिना अनुमति अनुपस्थित थी और निरीक्षक के सरकारी आवास पर आ-जा रही थी।

घटना का संक्षिप्त क्रम – कैसे उलझा पूरा मामला

थाना प्रभारी अरुण राय का शव सरकारी आवास में खून से लथपथ पाया गया
सर्विस पिस्टल उनके सीने पर रखी मिली
गोली चलने के बाद महिला सिपाही आवास से भागती हुई सीसीटीवी में कैद हुई
मृतक की पत्नी ने हत्या का आरोप लगाया
पुलिस ने महिला सिपाही को गिरफ्तार कर जेल भेजा
अब निलंबन, कॉल विवरण, मोबाइल बदलने की जानकारी और अन्य अधिकारियों से संबंधों के दावे जांच को नए मोड़ दे रहे हैं

वृंदावन दर्शन को निकले शाहजहाँपुर के तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत

» एक की हालत नाजुक

» कार बरेली-जयपुर महामार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा/शाहजहाँपुर।वृंदावन दर्शन के उत्साह में घर से निकले शाहजहाँपुर के चार दोस्तों का सफर रविवार देर रात दर्दनाक हादसे में थम गया। कटरा रोड निवासी राजन गुप्ता अपने मित्रों नोसारा निवासी निकुंज गुप्ता, सौरभ वर्मा और राजा भारद्वाज के साथ कार से निकले थे। परिवारों को क्या मालूम था कि यह यात्रा उनके तीन बच्चों की ज़िंदगी का अंतिम पड़ाव बन जाएगी।स्थानीय पुलिस के अनुसार रात करीब दो बजे बरेलीङ्गजयपुर महामार्ग पर केशवपुर गांव के सामने उनकी कार आगे चल रही मिट्टी लदी ट्रैक्टरङ्गट्रॉली में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राजन, निकुंज और सौरभ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चौथा साथी राजा भारद्वाज गंभीर रूप से घायल है और उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

दुर्घटना की ख़बर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते स्वजन तुरंत मथुरा रवाना हुए। पूरे क्षेत्र में मातमी सन्नाटा पसरा है। घर से हँसते-खेलते निकले ये युवा अब कभी वापस नहीं लौट पाएंगे , यह सोचकर परिजन बदहवास हैं। राया थाना प्रभारी रविभूषण शर्मा के अनुसार, घटना स्थल पर रात में काफ़ी अंधेरा रहता है। मिट्टी लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली आगे जा रही थी, तभी पीछे से कार तेज़ रफ़्तार में उसमें घुस गई, जिससे यह दिल दहला देने वाला हादसा हो गया।

बजट लौटाया गया, जमीन मना कर दी और नहीं बनने दिया गया आधुनिक पशु अस्पताल

» अयोध्या के मीरापुर पशु चिकित्सालय की कागज में ही 'मौत' की अंदरूनी कहानी सामने आई

» आज की तारीख में पुराने अस्पताल में पड़ा है ताला, पशुपालकों को हो रही बहुत परेशानी

स्पेशल रिपोर्ट

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राममंदिर निर्माण के बाद देशभर में चर्चा में आई अयोध्या बाहरी चमक में जितनी दमक रही है, अंदर से उतनी ही सरकारी उपेक्षा की मार भी झेल रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण मीरापुर का सरकारी पशु चिकित्सालय, जो वर्षों तक हजारों पशुपालकों की पहली और एकमात्र उम्मीद था। आज यह अस्पताल ताले में जकड़ा, वीरान पड़ा है, और इसके पीछे की कहानी प्रशासनिक लापरवाही, विभागीय उदासीनता और राजनीतिक निष्क्रियता का मिश्रण है।

बता दे कि अस्पताल बंद क्यों हुआ? असली वजहें अंदर ही दबा दी गईं। सरकार ने अयोध्या में नया, आधुनिक पशु चिकित्सालय बनवाने के लिए फंड जारी किया, विभाग को जगह चिन्हित करने को कहा,लेकिन तत्कालीन जिलाधिकारी ने अयोध्या में जमीन उपलब्ध नहीं बताकर पूरा प्रस्ताव रोक दिया। नतीजा आधुनिक अस्पताल बनने की जगह फंड वापस और पुराना अस्पताल बिना किसी नोटिस के चुपचाप बंद।पशु चिकित्सालय का 'पोस्टमार्टम' प्रशासन ने कैसे खत्म किया? पहले किराये के विशाल भवन में चल रहे अस्पताल को अचानक हटाया गया। डॉक्टर-कर्मचारियों को पुराने फैजाबाद स्थित परिसर में भेज दिया गया। अयोध्या की इमारत में बोर्ड लगा रहा, पर ताला लगा दिया गया। न कोई सूचना, न विरोध—सब कुछ दबे-चुपे तरीके से निपटा दिया गया।

यह पूरा कदम इतना चुपचाप हुआ कि अयोध्या के नागरिक, गौशालाएं, साधु-संत, पशुपालक सभी हतप्रभ रह गए। अस्पताल बंद होने का सबसे भीषण असर उन पर पड़ा जो जानवरों को परिवार का हिस्सा मानकर पालते हैं। गाय, भैंस की सामान्य बीमारी भी हो तो कई किलोमीटर फैजाबाद ले जाना पड़ता है। सड़क हादसे वाले जानवर घंटों तड़पते हैं इलाज समय पर मिलना लगभग असंभव। गर्मी, संक्रमण, बुखार, प्रसव जटिलताओं जैसी स्थितियों में कई पशुओं की जीवनरक्षा सिर्फ दूरी की वजह से नहीं हो पाती। यह स्थिति रामनगरी जैसे आध्यात्मिक नगर के लिए बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है।

मीरापुर पशु चिकित्सालय पहला दफ्तर नहीं है जो अयोध्या से गायब हुआ। लगभग सभी महत्वपूर्ण विभाग अब फैजाबाद में संचालित हैं। अयोध्या वासी छोटे-छोटे कामों के लिए प्रमाणपत्र के लिए शिकायतों के लिए हर बार फैजाबाद की दौड़ लगाने को मजबूर हैं। सरकार ने अयोध्या धाम बस नाम में बना दिया है,

सुविधाएं अब भी फैजाबाद में ही अटकी हैं। मीरापुर में पुराना अस्पताल भवन आज भी मौजूद है बोर्ड लगा है, पर ताला बंद।अंदर सन्नाटा, बाहर धूल। यह दृश्य अयोध्या के हर नागरिक का दिल दुखाने के लिए काफी है। अयोध्या के लोगों का सवाल है कि अस्पताल पर ताला क्यों? जमीन क्यों नहीं दी गई? बजट क्यों लौटाया गया? अयोध्या में जहां ज़मीनों का अधिग्रहण पल भर में हो जाता है, वहां अस्पताल की ज़मीन कैसे नहीं मिली? और सबसे बड़ा सवाल—रामनगरी में हजारों गायों वाले शहर में पशु चिकित्सालय 'फैजाबाद निर्भर' क्यों बना दिया गया? इन सवालों के जवाब के बिना यह ताला सिर्फ इमारत पर नहीं, बल्कि सरकारी जवाबदेही पर भी लटका है।

ताला खोलो, अस्पताल वापस लाओ...

अयोध्या नागरिक मंच के संयोजक एस.एन. बागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से स्पष्ट मांग की है अयोध्या में सरकारी पशु चिकित्सालय पुन- चालू किया जाए, चिकित्सकों की तैनाती हो, इमरजेंसी यूनिट बनाई जाए,और गाय, भैंस व अन्य पालतू पशुओं के लिए तत्काल चिकित्सा सुविधा बहाल की जाए। अस्पताल का ताला सिर्फ एक भवन को नहीं, बल्कि हजारों पशुपालकों की उम्मीदों को बंद कर रहा है। अयोध्या की चमक के बीच यह एक काला धब्बा है, जिसे हटाया जाना अब बेहद जरूरी है।

डॉ. आशीष श्रीवास्तव अध्यक्ष, डॉ. निशांत सक्सेना सचिव निर्विरोध चुने गए

» आईएमए अयोध्या चुनाव में दोनों पदों पर निर्विरोध चयन से सभी सदस्यों में उत्साह

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अयोध्या शाखा के वार्षिक चुनाव 2026-27 होटल कृष्णा पैलेस में शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुए।

इस चुनाव में डॉ. आशीष श्रीवास्तव निर्विरोध अध्यक्ष तथा डॉ. निशांत सक्सेना निर्विरोध सचिव चुने गए। दोनों पदों पर निर्विरोध चयन से आईएमए सदस्यों में उत्साह देखा गया।

निर्वाचन अधिकारी के अनुसार 24 नवंबर को अधिसूचना जारी होने के बाद 30 नवंबर तक वैध नामांकन दाखिल हुए और 2 दिसंबर शाम 7 बजे तक किसी भी उम्मीदवार ने नाम वापसी नहीं की, जिसके बाद दोनों पदों पर निर्विरोध चयन की घोषणा कर दी गई। परिणामों की औपचारिक पुष्टि के लिए एजीबीएम बुलाई जाएगी।

चुनाव संचालन मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर.बी. वार्ष्णेय तथा निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार और डॉ. रजनीश वर्मा ने किया। कार्यक्रम में डॉ. नानक सरन, डॉ. मधुकर, डॉ. अशोक श्रीवास्तव, डॉ. हरिओम श्रीवास्तव समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे।

पटना के पौराणिक चित्रगुप्त मंदिर में होगी भव्य महाआरती

» स्तुति व आरती के लिए अयोध्या से 24 सदस्यीय दल 24 दिसंबर को होगा रवाना

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या कायस्थ विकास संस्थान 25 दिसंबर को पटना स्थित पौराणिक चित्रगुप्त मंदिर में भगवान चित्रगुप्त जी की 200वीं स्तुति और महाआरती कार्यक्रम आयोजित करेगा। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। इसके लिए अयोध्या से संस्थान का 24 सदस्यीय दल 24 दिसंबर को अयोध्या कैंट से पटना के लिए प्रस्थान करेगा। संस्थान के प्रवक्ता जे.पी. श्रीवास्तव ने बताया कि संगठन प्रदेश के कई जनपदों उज्जैन, वाराणसी, प्रतापगढ़, लखनऊ, बाराबंकी आदि में स्तुति और आरती के माध्यम से समाज को जोडने़ का अभियान लगातार चला रहा है। अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि पटना में होने वाले कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह है और हर स्तर पर सहयोग मिल रहा है। कोर कमेटी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों को जिम्मेदारी सौंप दी है। टीम पटना से निरंतर संपर्क में है ताकि 25 दिसंबर को होने वाली स्तुति और आरती को यादगार बनाया जा सके।

एससीएल इंफ्राटेक ने एक साल से रोका पेमेंट, लोकल ठेकेदार बर्बादी के कगार पर

जल जीवन मिशन में ये क्या हो रहा

» ठेकेदारों का आरोप,भुगतान मांगने पर कंपनी के लोग दे रहे धमकी

» भुगतान पेमेंट के मामले में कंपनी के लोग सिर्फ टालमटोल कर रहे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी को दिव्य-नव- भव्य बनाने के नाम पर काम करने वाली एससीएल इंफ्राटेक लिमिटेड कंपनी पर बड़ा आरोप सामने आया है। जल जीवन मिशन के तहत अयोध्या में चल रहे कई प्रोजेक्ट में लोकल ठेकेदारों को ठगने, भुगतान रोकने और धमकाने की गंभीर शिकायतें उजागर हुई हैं। स्थानीय ठेकेदारों के अनुसार, कंपनी ने उन्हें कम रेट पर काम दिलाया, लेकिन 1 साल से उनका भुगतान रोक रखा है। करोड़ों का बिल अटका है, और ठेकेदार आर्थिक बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं।

ठेकेदारों का कहना है की जल जीवन मिशन के काम को समय पर पूरा कराने के लिए उन्होंने उधार लेकर, ब्याज पर पैसा उठाकर मजदूरों की मजदूरी से लेकर पाइप, सामग्री, मशीनरी तक सब कुछ अपनी जेब से लगाया। कंपनी ने एक वर्ष से कोई भुगतान नहीं किया। यह हाल तब है जब जल शक्ति विभाग नियमित रूप से फंड जारी करता है, लेकिन कंपनी ने ठेकेदारों को सिर्फ आजकल, अगले हफ्ते, अगले महीने जैसे बहानों से टरकाया। आरोप है कि जब ठेकेदारों का सब्र जवाब दे गया और वे कंपनी के ऑफिस, स्टोर पर ताला लगाने पहुंचे, तब कंपनी के पीएम संतोष कुमार ओझा मौके पर आए। लेकिन समाधान करने की जगह उन्होंने ठेकेदारों को धमकाया, अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। ठेकेदारों ने बताया कि वे शांतिपूर्ण विरोध कर रहे थे, लेकिन ओझा ने उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की। कंपनी के हेड और मालिक महीनों से ठेकेदारों को अगले हफ्ते पेमेंट होगा फाइल पास हो गई है,अकाउंट में ट्रांसफर अभी हो जाएगा,जैसी तारीखों का सिर्फ खेल दिखाते रहे। ठेकेदारों ने चेतावनी दी है कि यदि अयोध्या जल निगम अधिकारी कार्रवाई नहीं करते यदि कंपनी पर फौरन भुगतान और कानूनी कार्रवाई नहीं होती तो अयोध्या के सभी पीड़ित ठेकेदार मिलकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। जब इस सम्बंध में पीएम ओझा से उनका पक्ष जानने के लिए फोन पर सम्पर्क किया गया तो उनका नम्बर आउट ऑफ नेटवर्क रहा।

ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैक्टर ड्राइवर से की मारपीट, भीड़ ने बनाया वीडियो

लता मंगेशकर चौक पर हुए हंगामें के वायरल वीडियो की सीनियर ऑफिसर कर रहे जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। लता मंगेशकर चौक पर रविवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब ट्रैफिक पुलिसकर्मियों पर ट्रैक्टर चालक युवक के साथ मारपीट व अभद्रता करने का आरोप लगा। पूरी घटना राहगीरों ने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

पीड़ित युवक के मुताबिक वह पुराने पुल से नयाघाट की तरफ ट्रैक्टर पर बांस का गट्ठर लेकर जा रहा था। लता मंगेशकर चौक पर ट्रैफिक पुलिस ने उसे रोक लिया। आरोप है कि बिना किसी कारण बताए पुलिसकर्मियों ने उसका कॉलर पकडक़र घसीटा, धक्का-मुक्की की और गाली-गलौज करते रहे।

वायरल वीडियो में युवक नयाघाट चौकी के सामने सडक़ किनारे खड़ा फूट-फूटकर रोता दिखाई दे रहा है। वह बार-बार कह रहा है मैंने कुछ गलत नहीं किया, बिना वजह बेइज्जत कर दिया, मुझे घर जाना है।

आसपास मौजूद राहगीरों व पर्यटकों ने भी पुलिस की हरकत का विरोध किया और कई लोगों ने चेताया कि पूरी घटना रिकॉर्ड हो रही है, लेकिन पुलिसकर्मी बेपरवाह रहे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लता मंगेशकर चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिस अक्सर दबंगई और अभद्रता दिखाती है। राम मंदिर दर्शनार्थियों की बढ़ी भीड़ के कारण यहां ट्रैफिक सख्त है, लेकिन कई बार यही सख्ती बदसलूकी में बदल जाती है। सूत्रों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारी वीडियो की जांच कर रहे हैं। दोषी पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों पर विभागीय कार्रवाई तय मानी जा रही है।

पूरी दुनिया को दिखती है अयोध्या की स्वच्छता: महापौर

» नगर निगम ने किया प्रभावी कचरा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

» केवल विशिष्टजन के आगमन पर होने वाली सफाई पर्याप्त नहीं: नगर आयुक्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा है कि अयोध्या की स्वच्छता पूरी दुनिया को दिखती है और सराहना भी मिलती है। उन्होंने इसका श्रेय कर्मचारियों को देते हुए कूड़ा से आर्थिक संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। महापौर ने दुबई में आयोजित एशियाई मेयर कॉन्फ्रेंस में टोक्यो मॉडल, जिसमें आठ प्रकार से कचरा विभाजित किया जाता है, का उदाहरण देते हुए लोगों को जागरूक करने पर बल दिया।

वह रायबरेली बाईपास पर स्थित कल्याण मंडपम में नगर निगम द्वारा आयोजित प्रभावी कचरा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कहा कि सफाई में सुपरवाइजरों की अहम भूमिका है। कूड़ा एकत्र कर एमआरएफ सेंटर तक पहुंचाने के साथ ही उससे खाद का निर्माण अथवा सीमेंट प्लांट तक पहुंचाकर पूरी तरह से उपयोगी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल विशिष्टजन के आगमन पर सफाई करना ही पर्याप्त नहीं है। सफाई 24 घंटे और अनवरत स्थापित होने वाली आवश्यकता है। उन्होंने सफाई कर्मियों को जल्द ही टीटी की वैक्सीन लगवाने के लिए शिविर लगाने का भी वादा किया। कार्यशाला का आयोजन गीला-सूखा कचरा पृथक्करण, सफाई उपकरण का सुरक्षित उपयोग तथा एमआरएफ संचालन की सर्वोत्तम प्रथाएं एवं डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए किया गया। कार्यशाला का संचालन राम का घर के संयोजक आलोक सिंह राणा ने किया। इस मौके पर पार्षद रमाशंकर निषाद, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडेय, चिंतन संस्था के ज्ञानदीप एवं विमल, राम की घर की एकता भटनागर, मुख्य सफाई निरीक्षक कमल कुमार, राजू भारती आदि मौजूद थे।

सीडीएस स्व. बिपिन रावत की स्मृति में बने ऑडिटोरियम का सीएम योगी ने किया उद्घाटन

वही देश महान हुआ, जिसका नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति सदा सजग रहा

मुख्यमंत्री ने प्रतिमा का किया अनावरण, ऑडिटोरियम में है एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवस के दौरे पर गोरखपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर में है। उन्होंने आज सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) स्व. विपिन रावत की स्मृति में बने ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने देश के प्रथम सीडीएस, पद्म विभूषण जनरल बिपिन रावत जी को विनम्र श्रद्धांजलि दी। साथ ही चौथी पुण्यतिथि के मौके पर स्व. रावत की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस मौके पर सीएम ने रावत के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी भी देखी।

गोरखपुर सैनिक स्कूल में जनरल बिपिन रावत के नाम पर निर्मित ऑडिटोरियम में 1000 से अधिक लोग बैठ सकते हैं। सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत को श्रद्धांजलि अर्पण और उनकी याद में बनाए गए ऑडिटोरियम के उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लाखे?ा, जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया, जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन के सचिव मंजीत नेगी और जनरल बिपिन रावत की सुपुत्री कृतिका और तारिणी रावत की भी उपस्थिति रहीं।

आठ दिसंबर को हर वर्ष स्मृति दिवस आयोजित किया जाए

सीएम योगी ने कहा कि हमने आज जनरल रावत की स्मृति को इस सैनिक स्कूल के साथ जोड़ा है। सैनिक स्कूल का यह दायित्व है कि हर वर्ष 8 दिसंबर को जनरल बिपिन रावत और उनके साथ जिन्होंने बलिदान को प्राप्त किया। उन सबकी एक स्मृति दिवस को आयोजित कर हमारे कैडेट्स के मन में राष्ट्रभक्ति, एक नई प्रेरणा के रूप में स्थापित करें।

उन्होंने कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान कहा कि हम सिकंदर को क्यों महान कहे.. हम महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, जनरल विपिन रावत को महान क्यों नहीं कहते। हमारे लिए विदेशी आक्रांता महान नहीं हो सकते है। पूर्व में इतिहास में छेड़छाड़ कर विदेशी आक्रांताओं को महान बनाने का काम किया है वो गुलामी की मानसिकता है, जिसे त्यागना होगा। एक सच्चा भारतीय इन आक्रांताओं को कभी सम्मान नहीं दे सकता है...जो जाति के नाम पर समाज को बांट रहे हैं, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांट रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश तोड़ने वाले दुशासनों को घुसने मत देना। जिन्होंने विदेश में होटल और द्वीप खरीदे, देश को कंगाल करने का षड्यंत्र किया। सीएम योगी ने कहा कि ये लोग वही पाप कर रहे हैं, जो कभी जयचंद और मीर जाफरों ने इस देश के अंदर किया था। अगर सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को पूरा करना है, तो हर व्यक्ति को पंच प्रण को अपने जीवन का हिस्सा बनाना पड़ेगा।

मंगलवार दोपहर बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिपरौली क्षेत्र के ग्राम नरकटहा में बने राजकीय आईटीआई का लोकार्पण करेंगे। इस का निर्माण पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड से 16 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है। पिपरौली क्षेत्र का आईटीआई गोरखपुर का 11वां और पीपीपी मोड में संचालित होने वाला तीसरा राजकीय आईटीआई होगा।

लिव इन का खूनी अंत: रत्ना ने बेटियों संग मिलकर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर गला रेता

शक-शिकायत और साजिश का पूरा खेल बेनकाब, ट्यूशन पढ़ाने से शुरु हुई प्रेम लीला

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाने के सलारगंज ग्रीन सिटी कॉलोनी से रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। जहां की रहने वाली रत्ना नाम की महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर सूर्य प्रताप सिंह की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी पड़ोसियों को मिली तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया और फोरेंसिक टीम की मदद से जांच शुरू कर दी।

पुलिस जांच में पता चला कि सूर्य प्रताप सिंह अपने पिता नरेंद्र सिंह के साथ लखनऊ के जानकीपुरम में रहता था। करीब 12 साल पहले सूर्य, रत्ना की दोनों बेटियों को ट्यूशन पढ़ाने जाता था। उसी समय रत्ना के पति राजेंद्र कुमार की शराब पीने की आदत के कारण मौत हो गई। पति की मौत के बाद रत्ना और सूर्य के बीच नजदीकियां बढ़ीं और दोनों ने साथ रहने का फैसला कर लिया। पिछले 5 साल से दोनों अपनी दो बेटियों के साथ एक ही घर में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। परंतु पिछले कुछ महीनों से उनके बीच झगड़े बढ़ते जा रहे थे। जमीन और मकान को लेकर विवाद, बेटियों की पढ़ाई और आजादी को लेकर तकरार।

पुलिस पूछताछ में रत्ना ने एक चौंकाने वाला बयान दिया। उसने आरोप लगाया कि सूर्य उसकी बड़ी बेटी पर गंदी नजर रखता था और उसे गलत तरीके से छूता था। रत्ना के मुताबिक रविवार रात सूर्य ने बड़ी बेटी के मोबाइल में किसी लड़के का फोटो देखा, इसके बाद वह उसे कमरे में घसीटकर बंद कर रहा था। रत्ना ने बताया कि जब उसने बेटी को बचाने की कोशिश की, तो गुस्से में उसने चाकू उठा लिया। बेटियों ने सूर्य को पकड़ लिया और रत्ना ने उसके गले पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस को शुरुआती जांच में शक है कि यह सिर्फ एक दिन का गुस्सा नहीं था, बल्कि पहले से भी योजना हो सकती है। पुलिस के अनुसार सूर्य घर में तीन सीसीटीवी कैमरे लगाकर बेटियों की हर हरकत पर नजर रखता था। उसने बड़ी बेटी की पढ़ाई छुड़वा दी थी और घर में ही रहने को मजबूर कर दिया था। रत्ना ने बताया कि जिस मकान में सब रह रहे थे, वह प्लॉट सूर्य ने खरीदा था, लेकिन निर्माण का खर्च उसने अपने पति की मृत्यु के बाद मिली रकम से किया था। इसी वजह से दोनों में मकान के मालिकाना हक को लेकर अक्सर झगड़ा होता था।

मृतक के पिता का आरोप

सूर्य के पिता नरेंद्र सिंह ने गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि रत्ना और उसकी बेटियां मेरे बेटे के पैसों पर ऐश कर रही थीं। वह कई बार बेटे को समझाते थे, पर वह बात नहीं मानता था। जिस दिन हत्या हुई, उसी दिन सूर्य ने पिता से बात की थी और पैसे भेजे थे। घर वाले सूर्य की शादी के लिए रिश्ता देख रहे थे।

छह हजार की टिकट, इंडिगो ने रिफंड किये सिर्फ 400 रुपए

एयरलाइन मनमानी से ठगा महसूस कर रहे यात्री

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इंडिगो की उड़ानों के निरस्त होने का सिलसिल थम नहीं रहा। अब ऐसी शिकायतें बढ़ रही हैं कि एयरलाइन टिकट का रिफंड देने में कटौती कर रही है। इससे यात्री ठगा महसूस कर रहे हैं। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत दर्ज कराई है। एयरलाइन की ओर से सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है।

यात्री सतीश सिंह के अनुसार, उन्होंने बंगलूरू से वाराणसी के लिए इंडिगो की फ्लाइट में 6000 रुपये में टिकट बुक कराया था। उनका पीएनआर वाई9डब्लूडब्लूटीजी था। पहले तो उन्हें विमान के लिए 16 घंटे इंतजार करना पड़ा। इसके बाद विमान निरस्त कर दिया गया। रिफंड में सिर्फ 400 रुपये दिए गए। अमरदीप सिंह भाटिया ने बताया कि चंडीगढ़ के लिए उन्होंने इंडिगो की फ्लाइट में 16,777 रुपये में टिकट बुक कराया था।

फ्लाइट निरस्त होने के बाद जब रिफंड दिया गया तो उसमें 4,536 रुपये की कटौती की गई। शिकायत करने पर इंडिगो प्रशासन ने कहा कि टिकट बुक करने वाली ट्रेवल एजेंसी को फुल रिफंड दिया गया है। इंडिगो की उड़ान से मुंबई से दिल्ली वाया लखनऊ जाने वाले एक यात्री ने शिकायत की है कि मुंबई से लखनऊ की उड़ान निरस्त कर दी गई। इससे आगे की यात्रा भी प्रभावित हो गई। जब रिफंड मिला तो उसमें ढाई हजार रुपये काट लिए गए। ए. मिश्र ने बताया कि उन्होंने मुंबई से लखनऊ आने के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5088 में तीन दिसंबर का टिकट बुक कराया था। उड़ान निरस्त होने पर रिफंड में 3200 रुपये काट लिए गए।

रिफंड के लिए भटक रहे यात्री

यात्री राजेश मिश्र का आरोप है कि उन्होंने पुणे से लखनऊ के लिए रिटर्न टिकट बुक कराए थे, जिसकी बुकिंग आईडी एनएफ7 एआई99पी 82907240265 है। अब रिफंड के लिए एयरलाइन भटका रही है। डॉ. अंतरिक्ष श्रीवास्तव ने बताया कि देहरादून से लखनऊ आने के लिए इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-518 से टिकट करवाया था, जो निरस्त हो गई।